सफारीएक्सप्रेस

JULY-AUGUST-SEPTEMBER-2024

निदेशक की कलम से

इटावा सफारी पार्क, इटावा द्वारा इस त्रैमासिक न्यूज लेटर के तृतीय अंक के माध्यम से माह जुलाई, अगस्त व सितम्बर 2024 में सफारी पार्क में हुई मुख्य गतिविधियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह सम्पूर्ण अंक सफारी पार्क एवं वन्यजीव संरक्षण को समर्पित है जिसमें सफारी पार्क में पाए जाने वाले वन्यजीवों एवं उनसे सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध करायी जा रही है। इटावा सफारी पार्क द्वारा इन तीन माह में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया।

हमें हर्ष है कि इस न्यूज लेटर के माध्यम से सफारी पार्क के सामान्य क्रियाकलापों के साथ–साथ वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु इटावा सफारी पार्क प्रबन्धन द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से आपका परिचय कराया जा रहा है।

(डा. अनिल कुमार पटेल)
भा.व.से.
निदेशक
इटावा सफारी पार्क, इटावा

Address :
Director, Etawah Safari Park
Etawah Gwalior Road,
Etawah - 206001
Phone : +91-7839435094
Email : dirlsetawah@gmail.com

Etawah Safari Park remains closed for tourists on Monday

FACEBOOK INSTAGRAM TWITTER

एक शावक : नये युग की शुरूआत

यमुना–चम्बल का बीहड़, कभी यह क्षेत्र कुख्यात डाकूओं की शरण–स्थली के नाम से बदनाम था, जहां केवल दस्यु और जानवरों का ही विचरण होता था और आम जन इस क्षेत्र से दूरी बनाकर ही रखना पंसद करते थे। उत्तर प्रदेश के जनपद इटावा में यमुना नदी के तट पर स्थापित विश्वस्तरीय लायन ब्रीडिंग सेंटर एवं मल्टीपल सफारी पार्क जहां अब चंबल के बीहड़ों की बदनाम छवि को बदल रहा है। वहीं अब यहां वन्यजीवों के साथ साथ आम जन भी स्वच्छंद रूप से विचरण कर रहे हैं। यहां शुद्ध नस्ल के एशियाई शेरों की पहली सफारी है, जिसमें इस दुर्लभ प्रजाति के वन्यजीव का प्रजनन कराकर उनका कुनबा बढ़ाया जा रहा है। हालांकि शुरूआती वर्षों में यहां बब्बर शेरों के पुर्नवास में कुछ कठिनाईयां अवश्य आयीं लेकिन वर्ष 2016 में शेरनी जेसिका एक खुशनुमा बयार लेकर आयीं जब उसने दो शावकों सिम्बा और सुल्तान को जन्म दिया, जिनकी कहानी हम किसी अन्य अंक में पाठकों से साझा करेंगे।

साल 2023 –

फिलहाल बीते गमों को हम सब भुलाकर एक नयी जिन्दगी की तरफ बढ़ ही रहे थे कि अचानक हमारी खुशियों भरी जिन्दगी में किसी की नज़र लगी और एक बार फिर हमारे यहां गमों का पहाड़ टूट पड़ा। 07 से 10 जुलाई 2023 तक सफारी पार्क की एक नयी बब्बर शेरनी सोना ने बच्चों को जन्म देना शुरू किया तब लगा कि एक बार फिर खुशियां हमारे घर आ गयी है लेकिन क्या पता था कि ये खुशियां सिर्फ दरवाजे तक ही सीमित है। शेरनी के सभी शावक धीरे–धीरे दुनिया छोड़ते चले गये और कुछ तो दुनिया में आने से पहले ही जा चुके थे।

इस सदमे को सफारी परिवार का कोई भी सदस्य बर्दास्त नहीं कर सका और ऐसा लगा कि जिन्दगी ने एक बार फिर मायूसियत की चादर ओढ ली है। समय के साथ धीरे–धीरे माहौल सामान्य हो रहा था कि इसी बीच 03 सितम्बर को शेरनी रूपा के कीपर का फोन आया कि ''सर.... जल्दी आईये शेरनी ने क्राल में बच्चों को जन्म दिया है।'' जब तक पहुँच कर यह सब देख पाते उसका एक बच्चा मृत था और दूसरा कुछ हरकत करता दिख रहा था। लेकिन ऐसा लगा कि एक बार फिर हमारे हाथ खाली रह जाने वाले है क्योंकि रूपा शेरनी अपने शावक को स्वीकार ही नहीं कर रही थी। इन सबको देखते हुए हम लोगों ने तत्काल फैसला किया कि शेरनी को अलग कर बच्चे को बाहर किया जाए। तत्काल शेरनी को अलग करते हुए बच्चे को बाहर किया गया तथा उसे नियो नेटल केयर यूनिट में चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया। फिलहाल यहां पर कीपर को छोड़कर सभी का आना जाना पूर्णतया प्रतिबिन्धत कर दिया गया।

लेकिन परिस्थितियाँ हमारे लिए किसी चुनौती से कम नहीं थी क्योंकि इससे पूर्व सफारी पार्क की शेरनियों ने अब तक जितने भी शावकों को जन्म दिया था, उनमें से अधिकतर को अपना प्यार दिया तथा सफलतापूर्वक लालन पालन किया था। इस प्रकार के चुनौतीपूर्ण कार्य को हमने स्वीकार करते हुए मां के बिना शावक का लालन पालन करना शुरू कर दिया और धीरे धीरे संकट के दिनों को पार करते हुए शावक दिन प्रतिदिन विकास करता गया और हमसे घुल मिल सा गया। सफारी की इस कामयाबी को एक नए इतिहास की नजर से देखा जा रहा है।

विशेषज्ञों की माने तो आमतौर पर यदि शेरनी को लगता है कि शावक कमजोर होने के कारण नहीं बचेगा तो वह उसे नहीं अपनाती और दूध भी नहीं पिलाती है। सफारी प्रशासन के कुशल प्रबन्धन एवं पशु चिकित्सकों, अन्य अधिकारियों की देख रेख में कर्तव्य निष्ठ कर्मचारियों द्वारा की जा रही मेहनत से एक शुद्ध नस्ल के एशियाई शेर के शावक को जीवन दान मिला है। इस खबर से देश भर के चिड़ियाघरों, सफारी और वन्यजीवों से जुड़े लोगों में एक खुशी की लहर दौड़ पड़ी है क्योंकि उत्तर प्रदेश में शुद्ध एशियाई शेरों के कृत्रिम लालन–पालन का यह सफल उदाहरण हैं।

वर्ष 2024–

अब यह शावक एक वर्ष का हो चुका है और अपने मां के प्यार को पाने के लिए हर आने जाने वालों को एक टक निहारता रहता है ऐसा लगता है कि उसकी आंखे हर व्यक्ति में उसे पाल पोश कर इस स्थिति तक लाने वालों की छवि देखती हैं। फिलहाल यह शावक अपने नये मुकाम जिसका पता वार्ड नं0–1, ब्रीडिंग सेंटर है, में रह रहा है। उसी के ठीक अगले आवास, वार्ड नं0–2 में उसके मामा भी रहते है, जिनके साथ वह प्रतिदिन रमा रहता है। शुरूआत के दिनों में यह शावक नियो नेटल यूनिट से नयी जगह पर आने से किसी से बात नहीं करता था और एक कोने में चुपचाप उदास बैठा रहता था। लेकिन धीरे धीरे ब्रीडिंग सेंटर के अन्य शेरों विशेषकर उसके मामा से नजदीकियां हो जाने से आज दोनों एक साथ आंखों ही आंखों में बातें करते हुए एक खुशहाल जीवन जी रहे है।

यमुना–चंबल के बीहड़ में इस सफारी पार्क के स्थापित होने से शेरों की दहाड़ आसपास के दस किलोमीटर क्षेत्र में सुनाई देती है और एक दिन यह नन्हा शावक भी इन बीहड़ों को अपनी आवाज से गुन्जायमान करेगा।

(लेखक–शशांक पटेल)

अन्तर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस

बिजनौर वन प्रभाग के अन्तर्गत धामपुर रेंज में अन्तर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इटावा सफारी पार्क की ओर से स्टॉल लगाया गया।

इटावा सफारी पार्क में अनुभूति कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूली छात्र–छात्राओं का भ्रमण

विश्व बाघ दिवस (29 जुलाई) के अवसर पर इटावा सफारी पार्क प्रशासन की एक विशेष पहल के अन्तर्गत वन्यजीवों के संरक्षण हेतु बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक ''अनुभूति कार्यक्रम'' की शुरूआत की गयी। जिसमें ग्रामीण पृष्ठभूमि के राजकीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को इटावा सफारी पार्क का निःशुल्क भ्रमण कराया गया। विश्व बाघ दिवस पर नगला भग्ग प्राथमिक विद्यालय के 40 छात्रों को सफारी भ्रमण कराया गया तथा सफारी प्रशासन द्वारा यह निश्चित किया गया कि इस प्रकार का भ्रमण कार्यक्रम प्रत्येक शुक्रवार को होगा।

बेसिक शिक्षा अधिकारी इटावा के द्वारा राजकीय विद्यालयों के छात्रों को सफारी भ्रमण कराने हेतु एक रोस्टर तैयार किया गया, जिसके अनुसार जनपद इटावा के प्रत्येक ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को सफारी का भ्रमण कराया जाएगा। ''अनुभूति कार्यक्रम'' के प्रचार प्रसार हेतु सफारी पार्क की एक बस ग्रामीण क्षेत्रों में भेजी जा रही है तथा सफारी पार्क के कर्मचारियों द्वारा मार्ग में आमजनता को भी वन्यजीवों एवं सफारी पार्क के सम्बन्ध में जागरूक किया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय के ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले छात्रों को यह कार्यक्रम निश्चित रूप से एक यादगार पल की अनुभूति करायेगा और भविष्य में वन्यजीवों के प्रति उनका आकर्षण बढ़ेगा। इस ''अनुभूति कार्यक्रम'' के अन्तर्गत विगत 03 माह में निम्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं को सफारी पार्क का भ्रमण कराया गया :–

- प्राथमिक विद्यालय नगला भग्ग – दिनांक 29.07.2024
- प्राथमिक विद्यालय सहसों विकास खण्ड चकरनगर – दिनांक 02.08.2024
- उच्च प्राथमिक विद्यालय कम्पोजित बकेवर, ब्लाक महेवा – दिनांक 09.08.2024
- उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला पंछी – दिनांक 16.08.2024
- प्राथमिक विद्यालय महतुआ – दिनांक 23.08.2024
- उच्च प्राथमिक विद्यालय भरथना – दिनांक 30.08.2024
- प्राथमिक विद्यालय वैदपुरा (पीएम श्री) – दिनांक 06.09.2024
- उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला छत्ते – दिनांक 13.09.2024
- उच्च प्राथमिक विद्यालय कांधनी – दिनांक 20.09.2024
- उच्च प्राथमिक विद्यालय, पंसारी टोला कम्पोजिट – दिनांक 27.09.2024

विश्व लॉयन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

इटावा सफारी पार्क में दिनांक 10.08.2024 को विश्व लॉयन दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट विंग के एवं परिषदीय विद्यालय के लगभग 150 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा स्कूली छात्राओं द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

इटावा सफारी पार्क में जन्में शावकों का जन्मदिन

इस त्रैमास में इटावा सफारी पार्क में जन्में दो शावकों का जन्मदिन मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम दिनांक 10.08.2024 को बब्बर शेर ''विश्वा'' का द्वितीय जन्मदिन एवं 01 अन्य बब्बर शेर शावक जिसका जन्म दिनांक 03.09.2023 को हुआ था, का प्रथम जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर सफारी पार्क द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्काउट विंग के छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। दिनांक 03.09.2024 को बब्बर शेर शावक के जन्मदिन के अवसर पर इटावा जनपद के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यथा यूट्यूब इंस्टाग्राम फेसबुक आदि पर रील एवं ब्लॉक बनाकर सफारी का प्रचार प्रसार करने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया।

इटावा सफारी पार्क में पर्यटकों का भ्रमण

इटावा सफारी पार्क में दिनांक 23.08.2024 को सर्वाधिक पर्यटकों को भ्रमण कराया गया।
दिनांक 26.09.2024 एवं 29.09.2024 को उत्तराखंड वानिकी प्रशिक्षण संस्थान के लगभग 100 वन दरोगाओं के अध्ययन भ्रमण दल को सफारी पार्क का शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

इस त्रैमास में विशिष्टजनों का भ्रमण

- श्री विनय कुमार, आई.आई.टी. कानपुर।
- श्रीमती शिल्पा ठकराल, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इण्डिया।
- श्री टी.एस. सूलिया, मुख्य वन संरक्षक, ग्वालियर।
- मा0 न्यायमूर्ति शमीम अहमद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय।
- प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल चितौड़गढ़ राजस्थान।
- श्रीनरेन्द्र सिंह मोहरा, बंगलौर
- डा0 शाहिद, मनोचिकित्सक दिल्ली एम्स।
- डा0 श्याम प्रकाश, एचओडी, दिल्ली एम्स।
- श्री अशोक कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक, मानव संसाधन विकास उ0प्र0।

मुख्य सम्पादक : डा0 अनिल कुमार पटेल, भा0व0से0
सम्पादकीय टीम : डा0 विनय कुमार सिंह, प्रा0व0से0, श्री बी0एन0 सिंह, प्रा0व0से0 (से0नि0)
डिजायन : शशांक पटेल